The Making of Regional Cultures (क्षेत्रीय संस्कृतियों का निर्माण)

पाठगत प्रश्न

1. पता लगाएँ कि पिछले दस सालों में कितने नए राज्य बनाए गए हैं। क्या इनमें से प्रत्येक राज्य एक अलग क्षेत्र है? (एन०सी०ई०आर०टी० पाठ्यपुस्तक, पेज-122)

उत्तर पिछले दस सालों में बनने वाले नए राज्य झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तरांचल हैं। ये राज्य भौगोलिक दृष्टि से जिन राज्यों से अलग हुए हैं, उससे भिन्न थे। इसलिए जब उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार राज्य के भौगोलिक विवरण का अध्ययन किया जाता था तो इन नए राज्यों को अलग भौगोलिक क्षेत्र के रूप में अध्ययन किया जाता था।

2. पता लगाएँ कि आपके घर में आप जो भाषा बोलते हैं, उसका लेखन में सर्वप्रथम कब प्रयोग हुआ होगा? (एन०सी०ई०आर०टी० पाठ्यपुस्तक, पेज-123)

उत्तर हम अपने घर में हिन्दी भाषा को बोलते हैं। इस भाषा का सर्वप्रथम लेखने के रूप में प्रयोग 12वीं सदी में हुआ था। इस भाषा में हिन्दी का पहला ग्रंथ पृथ्वीराज रासो था जिसे चन्दबरदाई ने लिखा था।

3. भरतनाट्यम (तमिलनाडु), कथाकली (केरल), ओडिसी (उड़ीसा), कुचिपुड़ (आन्ध्र प्रदेश), मणिपुरी (मणिपुर) में से किसी एक नृत्य के रूप में अधिक जानकारी प्राप्त करें। (एन०सी०ई०आर०टी० पाठ्यपुस्तक, पेज-127)

उत्तर कुचिपुड़ी (आन्ध्र प्रदेश)-आन्ध्र प्रदेश के कुचेलपुरम् नामक ग्राम में प्रारंभ हुई यह नृत्य शैली तमिलनाडु के पागवत मेला नाटक शैली के समान ही एक प्रमुख नृत्य नाटिका है। यह शास्त्रीय नृत्य भरतमुनि के नाट्यशास्त्र के सिद्धान्तों का पालन करता है तथा इसका उद्देश्य वैदिक एवं उपनिषदों के धर्म व अध्यात्म का प्रचार करना था। इस शैली का विकास तीर्थ नारायण तथा सिद्धेन्द्र योगी ने किया। यह मूलतः पुरुषों का नृत्य है, परन्तु हाल में स्त्रियों ने भी इसे अपनाया है।

4. आपके विचार से द्वितीय श्रेणी की कृतियाँ लिखित रूप में क्यों नहीं रखी जाती थीं? (एन०सी०ई०आर०टी० पाठ्यपुस्तक, पेज-132)

उत्तर दूसरी श्रेणी की कृतियाँ मौखिक रूप से कही-सुनी जाती थी, इसलिए उनका काल निर्णय सही-सही नहीं। किया जा सकता है। दूसरी श्रेणी की कृतियों की विश्वसनीयता काफ़ी कम थी, इसलिए ये कृतियाँ लिखित रूप में नहीं रखी जाती थीं।

प्रश्न-अभ्यास
(पाठ्यपुस्तक से)

फिर से याद करें

1. निम्नलिखित में मेल बैठाएँ :

अनंतवर्मन	केरल
जगन्नाथ	बंगाल
महोदयपुरम	उड़ीसा
लीला तिलकम	कांगड़ा
मंगलकाव्य	पुरी
लघुचित्र	केरल

उत्तर

अनंतवर्मन	–	उड़ीसा
जगन्नाथ	–	पुरी
महोदयपुरम	–	केरल
लीला तिलकम	–	केरल
मंगलकाव्य	–	कांगड़ा
लघुचित्र	–	बंगाल

2. मणिप्रवालम क्या है? इस भाषा में लिखी पुस्तक का नाम बताएँ।

उत्तर 'मणिप्रवालम' एक भाषा-शैली है। मणिप्रवालम का शाब्दिक अर्थ है-हीरा और मुँगा, जो यहाँ दो भाषाओं-संस्कृत और क्षेत्रीय भाषा के साथ-साथ प्रयोग की ओर संकेत करता है।

3. कत्थक के प्रमुख संरक्षक कौन थे?

उत्तर राजस्थान के राजदरबार और लखनऊ के नवाब नृत्य-शैली के प्रमुख संरक्षक थे। अवध के अंतिम नवाब वाजिद अली शाह के संरक्षण में यह एक प्रमुख कला के रूप में उभरा।

4. बंगाल के मंदिरों की स्थापत्य कला के महत्त्वपूर्ण लक्षण क्या हैं?

उत्तर बंगाल के मंदिरों की स्थापत्यकला के महत्त्वपूर्ण लक्षण

1. स्थानीय देवी-देवता जो पहले गाँवों में छान-छप्पर वाली झोपड़ियों में पूजे जाते थे।
2. मंदिरों की शक्ल या आकृति बंगाल की छप्परदार झोपड़ियों की तरह दोचाला (दो छतों वाली) या चौचाला (चार छतों वाली) होती थी।
3. मंदिर आमतौर पर एक वर्गाकार चबूतरे पर बनाए जाते थे। उनके भीतरी भाग में कोई सजावट नहीं होती थी।
4. मंदिरों की बाहरी दीवारें चित्रकारियों, सजावटी टाइलों अथवा मिट्टी की पट्टियों से सजी हुई थीं।

आइए विचार करें

5. चारण-भाटों ने शूरवीरों की उपलब्धियों की उद्घोषणा क्यों की?

उत्तर चारण-भाटों द्वारा शूरवीरों की उपलब्धियों की उद्घोषणा के कारण –

1. चारण-भाटों द्वारा गाए गए काव्य एवं गीत ऐसे शूरवीरों की स्मृति को सुरक्षित रखते थे।
2. चारण-भाटों से यह आशा की जाती थी कि वे अन्य जनों को भी उन शूरवीरों का अनुकरण करने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करेंगे।

6. हम जनसाधारण की तुलना में शासकों के सांस्कृतिक रीति-रिवाजों के बारे में बहुत अधिक क्यों जानते हैं?
उत्तर शासकों के सांस्कृतिक रीति-रिवाजों की अधिक जानकारी के कारण

1. शासकों द्वारा निर्मित कराए गए धार्मिक स्मारकों में हमें उनके सांस्कृतिक रीति-रिवाजों की जानकारी मिलती है।
2. सांस्कृतिक परंपराएँ कई क्षेत्रों के शासकों के आदर्शों तथा अभिलाषाओं के साथ घनिष्ठता से जुड़ी थीं।
3. शासकों के सांस्कृतिक गतिविधियों के बारे में यात्रा-वृत्तांतों तथा कई रचनाकारों द्वारा भी वर्णन किया गया है।

7. विजेताओं ने पुरी स्थित जगन्नाथ के मंदिर पर नियंत्रण प्राप्त करने के प्रयत्न क्यों किए?
उत्तर ज्यों-ज्यों जगन्नाथ मंदिर को तीर्थस्थल यानी तीर्थयात्रा के केन्द्र के रूप में महत्त्व प्राप्त होता गया, सामाजिक और राजनीतिक मामलों में भी उसकी सत्ता बढ़ती गई। जिन्होंने भी उडीसा को जीता, जैसे-मुगल, मराठे और अंग्रेज़ी ईस्ट इंडिया कम्पनी, सबने इस मंदिर पर अपना नियंत्रण स्थापित करने का प्रयत्न किया। वे सब महसूस करते थे कि मंदिर पर नियंत्रण प्राप्त करने से स्थानीय जनता में उनका शासन स्वीकार्य हो जाएगा।

8. बंगाल में मंदिर क्यों बनाए गए?
उत्तर बंगाल में पंद्रहवीं शताब्दी के बाद वाले वर्षों में मंदिर बनाने का दौर जोरों पर रहा, जो उन्नीसवीं सदी तक चला। मंदिर निर्माण के कई कारण थे|

1. मंदिर और अन्य धार्मिक भवन अकसर उन व्यक्तियों या समूहों द्वारा बनाए जाते थे, जो शक्तिशाली बन रहे थे। वे इनके माध्यम से अपनी शक्ति तथा भक्तिभाव का प्रदर्शन करना चाहते थे।
2. बंगाल में जैसे-जैसे लोगों की सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति सुधरती गई, उन्होंने इन मंदिर स्मारकों के निर्माण के माध्यम से अपनी प्रस्थिति या प्रतिष्ठा की घोषणा कर दी।

आइए करके देखें

9. भवनों, प्रदर्शन कलाओं, चित्रकला के विशेष संदर्भ में अपने क्षेत्र की संस्कृति के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण लक्षणों/विशेषताओं का वर्णन करें।
उत्तर छात्र स्वयं करें।

10. क्या आप (क) बोलने, (ख) पढ़ने, (ग) लिखने के लिए भिन्न-भिन्न भाषाओं का प्रयोग करते हैं ? इनमें से किसी एक भाषा की किसी प्रमुख रचना के बारे में पता लगाएँ और चर्चा करें कि आप इसे रोचक क्यों पाते हैं?
उत्तर छात्र स्वयं करें।

11. उत्तरी, पश्चिमी, दक्षिणी पूर्वी और मध्य भारत से एक-एक राज्य चुनें। इनमें से प्रत्येक के बारे में उन भोजनों की सूची बनाएँ, जो आमतौर पर सभी के द्वारा खाए जाते हैं। आप उनमें कोई अंतर या समानताएँ पाएँ, तो उन पर प्रकाश डालें
उत्तर छात्र स्वयं करें।

12. इनमें से प्रत्येक क्षेत्र से पाँच-पाँच राज्यों की एक-एक अन्य सूची बनाएँ और यह बताएँ कि प्रत्येक राज्य में महिलाओं तथा पुरुषों द्वारा आमतौर पर कौन-से वस्त्र पहने जाते हैं। अपने निष्कर्षों पर चर्चा करें।
उत्तर छात्र स्वयं करें।